



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का अध्यापक मनोविज्ञान पर प्रभाव

डॉ. बालमुकन्द कस्वा, सहा. आचार्य, एम.जे. कुम्हेरिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रावला मण्डी

भूमिका

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) के बढ़ते प्रभाव ने शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। शिक्षा के क्षेत्र में AI का उपयोग शिक्षण पद्धतियों, पाठ्यक्रम निर्माण और विद्यार्थियों की समझ के विश्लेषण में किया जा रहा है। विशेष रूप से, अध्यापक मनोविज्ञान पर इसका प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिक्षकों की भूमिकाओं, शिक्षण शैली और छात्रों के साथ उनके संबंधों को प्रभावित करता है।

AI आधारित तकनीकों, जैसे कि स्मार्ट ट्यूटोरिंग सिस्टम, ऑटोमेटेड मूल्यांकन और डेटा एनालिटिक्स, ने शिक्षकों को नए तरीके से पढ़ाने और छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझने में सक्षम बनाया है। हालांकि, इस तकनीकी बदलाव ने शिक्षकों की पारंपरिक भूमिकाओं को चुनौती भी दी है, जिससे उनके मानसिक तनाव, व्यावसायिक संतुष्टि और शिक्षण प्रभावशीलता पर प्रभाव पड़ा है।

यह शोध पत्र AI के कारण अध्यापक मनोविज्ञान में उत्पन्न हो रहे परिवर्तनों का विश्लेषण करेगा, जिसमें शिक्षकों की भूमिका, उनके मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षण प्रभावशीलता और छात्रों के साथ उनके संबंधों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा। साथ ही, यह शोध यह भी समझने का प्रयास करेगा कि AI आधारित शिक्षा में अध्यापकों की भूमिका को कैसे परिभाषित किया जा सकता है ताकि तकनीक और मानवीय स्पर्श के बीच संतुलन बना रहे।

AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का अध्यापक के लिए मनोवैज्ञानिक पर सकारात्मक प्रभाव कई रूपों में देखा जा सकता है। ये प्रभाव अध्यापकों की पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सुधार लाने में सहायक होते हैं।

1. कार्यभार कम करना और तनाव में कमी

AI आधारित टूल्स जैसे ग्रेडिंग सॉफ्टवेयर, कक्षा प्रबंधन उपकरण, और पाठ योजना तैयार करने वाले प्लेटफॉर्म अध्यापकों का समय बचाते हैं। इससे उन्हें अधिक सटीक और प्रभावी ढंग से शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलता है, जो तनाव को कम करता है।

2. व्यक्तिगत विकास और दक्षता में सुधार

AI अध्यापकों को नए शिक्षण तरीकों और संसाधनों की जानकारी प्रदान करता है। उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, क्योंकि वे तकनीकी रूप से सशक्त महसूस करते हैं।

3. व्यक्तिगत शिक्षा (Personalized Learning)

AI छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझकर अध्यापक को उनके लिए उपयुक्त शिक्षण रणनीतियाँ प्रदान करता है। इससे छात्रों की प्रगति को देखकर अध्यापक संतुष्टि महसूस करते हैं।

4. रचनात्मकता और नवाचार के लिए समय

AI द्वारा दोहराए जाने वाले कार्यों के प्रबंधन से अध्यापकों को नई और रचनात्मक शिक्षण पद्धतियों पर काम करने का समय मिलता है। यह उनकी मानसिक ताजगी और पेशेवर संतुष्टि को बढ़ाता है।

5. उपलब्धियों का अनुभव और आत्मसंतुष्टि

AI छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण कर अध्यापक को वास्तविक समय में फीडबैक देता है। यह अध्यापकों को अपनी शिक्षण क्षमता के सकारात्मक परिणामों को देखने का अवसर देता है, जिससे वे अधिक प्रेरित महसूस करते हैं।

6. सकारात्मक कक्षा वातावरण

AI कक्षा प्रबंधन को सरल बनाता है, जिससे एक स्वस्थ और उत्पादक वातावरण बनता है। अध्यापक छात्रों के साथ अधिक व्यक्तिगत और सकारात्मक संबंध बना सकते हैं।

7. समर्थन और मार्गदर्शन

AI आधारित सहायक (जैसे वर्चुअल कोच) अध्यापकों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्णय लेने में मदद करते हैं। यह उन्हें मानसिक दबाव से बचाता है और उनके काम में सहायक सिद्ध होता है।

8. समय प्रबंधन में सुधार

AI आधारित उपकरण अध्यापकों को दिनचर्या की गतिविधियों (जैसे, असाइनमेंट जांचना और छात्रों का



डेटा प्रबंधन) को स्वचालित रूप से करने में मदद करते हैं। इससे अध्यापक अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं, जिससे मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

9. संबंध और संवाद में सुधार

AI टूल्स जैसे चैटबॉट और संचार प्लेटफॉर्म, अध्यापकों और छात्रों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करते हैं। अध्यापक छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से समझ और मार्गदर्शन कर सकते हैं, जिससे उनके व्यक्तिगत और पेशेवर संबंध बेहतर होते हैं।

10. प्रेरणा और आत्मसंतुष्टि में वृद्धि

जब AI द्वारा छात्रों की सीखने की प्रगति और सफलता का विश्लेषण अध्यापकों को उपलब्ध कराया जाता है, तो यह उनके प्रयासों का सकारात्मक परिणाम दिखाता है। इससे अध्यापक और अधिक प्रेरित महसूस करते हैं और शिक्षण में रुचि बढ़ती है।

11. आसान समस्या समाधान—

AI डेटा और विश्लेषण के माध्यम से समस्याओं के समाधान के सुझाव प्रदान करता है। अध्यापक जटिल समस्याओं का हल जल्दी और कुशलता से निकाल पाते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

12. सीखने का अवसर

AI नई तकनीकों और ज्ञान के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करता है। इससे अध्यापक अपने ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित कर सकते हैं, जिससे उन्हें मानसिक तृप्ति मिलती है।

13. नए दृष्टिकोण और रचनात्मकता

AI के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न शिक्षण उपकरण और सामग्री अध्यापकों को पारंपरिक तरीकों से हटकर नवीन दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह न केवल छात्रों के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि अध्यापकों को भी रचनात्मकता का अनुभव करने का मौका देता है।

14. मानसिक शांति और लचीलापन

AI कठिन या दोहराए जाने वाले कार्यों को आसान बना देता है, जिससे अध्यापक थकान और बर्नआउट से बच सकते हैं। वे मानसिक रूप से अधिक लचीले और शांत महसूस करते हैं।

15. अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और दृष्टिकोण

AI का उपयोग वैश्विक स्तर पर शिक्षा प्रणाली से जुड़ने में मदद करता है। अध्यापक अन्य देशों के शिक्षकों और छात्रों के साथ संवाद कर सकते हैं, जिससे उन्हें विविध दृष्टिकोण और नई प्रेरणा मिलती है।

हालांकि AI का अध्यापक के लिए कई सकारात्मक प्रभाव हैं, इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हो सकते हैं, जो उनके मनोविज्ञान और पेशेवर जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। ये प्रभाव निम्नलिखित हैं:

1. नौकरी की असुरक्षा का अनुभव

AI द्वारा स्वचालित प्रक्रियाओं (जैसे ग्रेडिंग, पाठ योजना) से अध्यापकों को यह चिंता हो सकती है कि भविष्य में उनकी भूमिका कम हो जाएगी। यह उनके आत्मविश्वास और मानसिक शांति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

2. तकनीकी ज्ञान की कमी का तनाव

सभी अध्यापक तकनीकी रूप से कुशल नहीं होते। AI के उपकरणों को समझने और उपयोग करने में कठिनाई उन्हें हतोत्साहित और तनावग्रस्त कर सकती है।

3. व्यक्तिगत संपर्क की कमी

AI के अत्यधिक उपयोग से छात्रों और अध्यापकों के बीच व्यक्तिगत संवाद और संबंध कमजोर हो सकते हैं। यह अध्यापकों को अलगाव या अकेलेपन का अनुभव करा सकता है।

4. सृजनात्मकता पर निर्भरता का खतरा

AI उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता अध्यापकों की रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को कमजोर कर सकती है। यह उनके आत्मसम्मान को प्रभावित कर सकता है।

5. प्रदर्शन के दबाव में वृद्धि

AI के माध्यम से छात्रों की प्रगति और कक्षा प्रदर्शन का लगातार विश्लेषण किया जाता है। अध्यापकों



को अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक जवाबदेह महसूस हो सकता है, जिससे वे मानसिक दबाव में आ सकते हैं।

6. प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भरता

तकनीकी विफलता (जैसे, सॉफ्टवेयर का खराब होना) के दौरान अध्यापक असहाय महसूस कर सकते हैं। यह उनकी दक्षता और आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकता है।

7. पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों का क्षरण

AI के उपयोग से पारंपरिक शिक्षण पद्धतियाँ और मूलभूत सिद्धांत कम प्रासंगिक हो सकते हैं। इससे कुछ अध्यापक अपनी भूमिका को कम महत्वपूर्ण महसूस कर सकते हैं।

8. अन्यायपूर्ण मूल्यांकन का डर

AI आधारित मूल्यांकन कभी-कभी गलत या पक्षपाती हो सकता है। यह अध्यापकों और छात्रों के लिए निराशा का कारण बन सकता है।

9. निजता और डेटा सुरक्षा की चिंता

AI द्वारा अध्यापकों और छात्रों के डेटा का संग्रहण गोपनीयता से संबंधित चिंताओं को जन्म दे सकता है। इससे अध्यापक असुरक्षित और चिंतित महसूस कर सकते हैं।

10. भावनात्मक थकान

AI का अत्यधिक उपयोग व्यक्तिगत और मानवीय तत्वों को कम कर सकता है। इससे अध्यापक भावनात्मक रूप से थका हुआ महसूस कर सकते हैं, क्योंकि उनकी भूमिका केवल "डाटा संचालक" तक सीमित हो सकती है।

समाधान और संतुलन

AI के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए तकनीकी शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, और मानव और AI के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। अध्यापकों को सशक्त बनाना और उनके अनुभव को प्राथमिकता देना इस दिशा में सहायक हो सकता है। AI के अध्यापक मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभावों को कम करने और उनके मानसिक स्वास्थ्य और दक्षता को बनाए रखने के लिए निम्नलिखित समाधान अपनाए जा सकते हैं।

1. AI और मानवीय भूमिकाओं में संतुलन बनाए रखना

शिक्षण प्रक्रिया में AI का उपयोग सहायक के रूप में किया जाए, लेकिन निर्णय लेने और छात्रों के साथ संवाद में मानवीय भूमिका प्रमुख रहे। अध्यापकों को विश्वास दिलाया जाए कि AI उनकी भूमिका को समाप्त नहीं करेगा, बल्कि इसे सशक्त बनाएगा।

2. प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ

अध्यापकों को AI टूल्स और तकनीकों का उपयोग करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाए। उन्हें यह सिखाया जाए कि कैसे AI उनकी मदद कर सकता है और उनके कार्य को सरल बना सकता है।

3. सामाजिक और भावनात्मक समर्थन

अध्यापकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रम और काउंसलिंग सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। सहकर्मियों और प्रबंधन के साथ संवाद बढ़ाया जाए ताकि वे अपनी चिंताओं को साझा कर सकें।

4. पारदर्शी डेटा प्रबंधन

AI द्वारा संग्रहित डेटा के उपयोग को पारदर्शी बनाया जाए और अध्यापकों की सहमति ली जाए। गोपनीयता और सुरक्षा की गारंटी देकर डेटा-से संबंधित चिंताओं को कम किया जाए।

5. व्यक्तिगत संपर्क को प्राथमिकता देना

AI के उपयोग के बावजूद छात्रों और अध्यापकों के बीच व्यक्तिगत संपर्क को बनाए रखा जाए। क्लासरूम में मानवीय जुड़ाव और संवाद को बढ़ावा दिया जाए।

6. सृजनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना

अध्यापकों को यह प्रेरणा दी जाए कि वे AI का उपयोग करते हुए अपनी रचनात्मकता को बेहतर बना



सकते हैं। उन्हें नए और अभिनव शिक्षण तरीकों की खोज के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

7. AI पर निर्भरता कम करने की रणनीति

AI का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए किया जाए, जैसे कि ग्रेडिंग या डेटा एनालिटिक्स। शिक्षण के मुख्य पहलुओं में अध्यापकों की भूमिका को सुदृढ़ किया जाए।

8. प्रदर्शन मूल्यांकन में सुधार

AI के प्रदर्शन मूल्यांकन उपकरणों के साथ मानवीय विवेक का समावेश किया जाए। अध्यापकों की योग्यता का समग्र मूल्यांकन किया जाए, न कि केवल AI के परिणामों के आधार पर।

9. सामूहिक सहयोग और प्रेरणा

अध्यापकों के लिए सामूहिक चर्चा और सहयोग के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ ताकि वे AI से संबंधित अपने अनुभव साझा कर सकें। सफल AI उपयोग की कहानियाँ और उदाहरण साझा करके उन्हें प्रेरित किया जाए।

10. तकनीकी विफलताओं के लिए बैकअप योजना

ऐसी स्थितियों के लिए बैकअप योजनाएँ तैयार की जाएँ जब AI उपकरण असफल हों। अध्यापकों को यह सिखाया जाए कि बिना AI के भी वे प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियाँ निभा सकते हैं।

निष्कर्ष—

कृत्रिम बुद्धिमत्ता AI शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है और इसका सीधा प्रभाव अध्यापक मनोविज्ञान पर देखा जा सकता है। AI तकनीकों के प्रयोग ने शिक्षकों के कार्यों को सुगम बनाया है, जिससे वे शिक्षण सामग्री को अधिक प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं और प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, इस तकनीकी विकास ने शिक्षकों के समक्ष नई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। AI आधारित स्वचालित शिक्षण प्रणाली ने शिक्षकों की पारंपरिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया है, जिससे कुछ शिक्षकों को पेशेवर असुरक्षा, मानसिक तनाव और आत्मसम्मान से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके विपरीत, कई शिक्षक AI को सहायक उपकरण के रूप में अपनाकर अपने शिक्षण कौशल को और अधिक सशक्त बना रहे हैं।

इस शोध पत्र से यह निष्कर्ष निकलता है कि AI के बढ़ते उपयोग के बीच शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और उनकी भूमिका को सशक्त बनाने के लिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। शिक्षकों को AI से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय इसे एक सहायक उपकरण के रूप में अपनाने की दिशा में प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके लिए शिक्षकों को AI की समझ और इसके प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिससे वे तकनीक और मानवीय शिक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। अंततः, शिक्षा प्रणाली में AI और अध्यापक मनोविज्ञान का सामंजस्य ही शिक्षण की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है। यदि शिक्षकों को सही संसाधन और सहयोग मिले, तो वे AI के साथ मिलकर एक उन्नत और समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर सकते हैं, जो छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

References-

- Roll, I., & Wylie, R. (2016). Evolution and revolution in artificial intelligence in education. *International Journal of Artificial Intelligence in Education*, 26(2), pp. 582–599.
- Sekeroglu, B., Dimililer, K., & Tuncal, K. (2019). Artificial intelligence in education: application in student performance evaluation. *Dilemas Contemporáneos: Educación, Política y Valores*, 7(1), pp. 1–21.
- Streubert, H. J., & Carpenter, D. R. (2011). *Qualitative research in nursing*. (5th ed.). Philadelphia: Lippincott Williams and Wilkins.
- Subrahmanyam, V. V., & Swathi, K. (2018).
- Artificial intelligence and its implications in education. In *Int. Conf. Improv.* Access to



International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed,
Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

Distance High. Educ. Focus Underserved Communities Uncovered Reg. Kakatiya University (pp. 1–11).

- Timms, M. J. (2016). Letting artificial intelligence in education out of the box: educational cobots and smart classrooms. *International Journal of Artificial Intelligence in Education*, 26(2), pp. 701–712, Doi: 10.1007/s40593-016-0095-y
- Wartman, S. A., & Combs, C. D. (2018). Medical education must move from the information age to the age of artificial intelligence. *Academic Medicine*, 93(8), pp. 1107–1109.
- Wogu, I. A. P., Misra, S., Olu-Owolabi, E. F., Assibong, P. A., & Udoh, O. D. (2018). Artificial intelligence, artificial teachers and the fate of learners in the 21st century education sector: Implications for theory and practice. *International Journal of Pure and Applied Mathematics*, 119(16), pp. 2245–2259.
- Yildirim, A., & Simsek, H. (2008). *Sosyal bilimlerde nitel araştırma yöntemleri [Qualitative research methods in the social sciences]*. Ankara: Seckin Publication.
- Abdelsalam, U. M. (2014, March). A proposal model of developing intelligent tutoring systems based on mastery learning. Paper presented the Third International Conference on E-Learning in Education (pp. 106–118). Retrieved from <http://paper.researchbib.com/view/paper/14102>
- Asimov, I. (2004). *I, Robot*. New York: Bantam Books.
- Buyukozturk, S., Cakmak, E. K., Akgun, O. E., Karadeniz, S., & Demirel, F. (2018). *Bilimsel araştırma yöntemleri [Scientific research methods]*. Ankara: Pegem A Yayıncılık.
- Canbek, M. (2020). Artificial Intelligence Leadership: Imitating Mintzberg's Managerial Roles. In *Business Management and Communication Perspectives in Industry 4.0* (pp. 173–187). IGI Global.
- Chang, J., & Lu, X. (2019, August). The study on students' participation in personalized learning under the background of artificial intelligence. In *10th International Conference on Information Technology in Medicine and Education (ITME)* (pp. 555–558). IEEE.
- Cholz, M. (2010). Mobile phone addiction: a point of issue. *Addiction*, 105(2), pp. 373–374.
- Creswell, J. W. (2013). *Qualitative inquiry and research design: Choosing among five approaches*, SAGE publications
- Felix, C.V. (2020). The Role of the Teacher and AI in Education. Sengupta, E., Blessinger, P. and Makhanya, M.S. (Ed.)
- International Perspectives on the Role of Technology in Humanizing Higher Education (*Innovations in Higher Education Teaching and Learning*, Vol. 33), Emerald Publishing Limited, pp. 33–48. <https://doi.org/10.1108/S2055-364120200000033003>
- Goksel, N., & Bozkurt, A. (2019). Artificial intelligence in education: current insights and future perspectives. In S. Sisman-Ugur & G. Kurubacak (Eds.), *Handbook of Research on Learning in the Age of Transhumanism* (pp. 224–236). Hershey, PA: IGI Global.
- Grosz, B. J., & Stone, P. (2018). A century-long commitment to assessing artificial intelligence and its impact on society. *Communications of the ACM*, 61(12), pp. 68–73.
- Golic, Z. (2019). Finance and artificial intelligence: The fifth industrial revolution and its impact on the financial sector. *Zbornik radova Ekonomskog fakulteta u Istočnom Sarajevu*, (19), pp. 67–81.